Status of Implementation of Recommendations contained in the Hundred and Sixtieth Report of the Department-related Parliamentary Standing Committee on Human Resource Development

THE MINISTER OF STATE OF THE MINISTRY OF WOMEN AND CHILD DEVELOPMENT (SHRIMATI RENUKA CHOWDHURY): Sir, I beg to lay **a** statement regarding the status of implementation of recommendations contained in the Hundred and sixtieth Report of the Department-related Parliamentary Standing Committee on Human Resource Development.

VALEDICTORY REMARKS

श्री सभापति : माननीय सदस्यगण, राज्य सभा का 207वां सत्र आज समाप्त होने जा रहा है। यह सत्र बृहस्पतिवार, 16 फरवरी क महामहिम राष्ट्रपति द्वारा दोनों सभाओं के सदस्यों को संबोधित करने के साथ आरम्भ हुआ था। यह इस लम्बा सत्र रहा , जिसमें 23 मार्च से 9 मई तक सत्रावकाश रहा ।

दुर्भाग्यवश, इस सत्र में हमारे एक सदस्य को अपनी सदस्यता छोड़नी पडी और दो सदस्यों ने असाधारण परिस्थितियों में अपनी सदस्यता से त्यागपत्र दिया। 3 मई को हमारे एक बहुत ही सक्रिय सदस्य, श्री प्रमोद महाजन का अपने जीवन के महत्वपूर्ण पड़ाव पर एक दुः खद घटना मे निधन हो गया। जब सत्र दिनांक 10 मई को पुनः आरम्भ हुआ तो उन्हें श्रद्वांजलि देने के पश्चात् उस दिन के लिए सभा स्थगित कर दी गई ।

सत्र के दौरान सभा के गठन में द्विवार्षिक चुनाव के कारण बड़ा परिवर्तन हुआ। 57 सदस्यों ने अपना कार्यकाल पूरा करने के पश्चात् सदस्यता से अवकाश ग्रहण किया। सदन ने सदस्यता से अवकाश ग्रहण करने वाले सदस्यों को भावभीनी विदाई दी। हमारे 20 वर्तमान सदस्य पुनः निर्वाचित हुए और 44 नये सदस्य हमारे साथ शामिल हुए। हमने उन सभी का इस गरिमामय सदन में स्वागत किया। सत्र के दौरान अवकाश के दो दोनों में नवनिर्वचित एवं मनोनीत सदस्यों के लिए एक ओरिएंटेशन कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसका शुभारम्भ करने का मुझे अवसर मिला। मुझे आशा है कि यह उनके लिए अत्यन्त लाभ दायक सिद्व होगा। यह सौभाग्य की बात है कि श्री के0 रहमान खान फिर से हमारे साथ है, जो निर्विरोध उप-सभापति चुने गए हैं। सदन निश्चय ही उनके अनुभव से लाभान्वित होगा।

राष्ट्रपति जी के अभिभाषण पर धन्यवाद के प्रस्ताव के संबंध में चर्चा करने के पश्चात् सभा में रेल बजट और सामान्य बजट से संबंधित मुख्य कार्य शुरू किया गया। तथापि इस बार पांच

राज्यों की विधान सभाओं के चुनावों के कारण, बजट को सत्र के पहले भाग में ही पारित कर दिया गया।

माननीय सदस्यों, आपको स्मरण होगा कि मैंने एक प्राइवेट टीवी चैनल पर " ऑपरेशन चक्रव्यूह" नामक कार्यक्रम में दिखाए गए प्रकरण को, जिसमें सभा के दो सदस्यों के नामों का उल्लेख किया था, जांच और प्रतिवेदन प्रस्तुत करने हेतु आचार समिति को सौंपा था। समिति ने 24 फरवरी, 2006 को सदन के समझ अपना प्रतिवेदन प्रस्तुत किया। सभा ने 21 मार्च, 2006 को पूर्ववर्ती निर्णय के अनुरूप समिति की सिफारिशों को सर्वसम्मति से स्वीकार करते हुए एक सदस्य को सभा की सदस्यता से निष्कासित किया तथा अन्य सदस्य की शिकायत को आगे जांच और प्रतिवेदन हेतु विशेषाधिकार समिति को सौंपा। प्रसन्नता है कि हमारे इस अनुकरणीय निर्णय से लोकतन्त्र के आधार के रूप में सार्वजनिक जीवन में सत्यनिष्ठा प्रतिष्ठापित हुई और यह भी प्रमाणित हुआ कि हमारे माननीय सदस्य नैतिक व्यवहार के उच्चतम मानदंडों के आचरण से ही राष्ट्र की उच्चतम विधायिका के रूप में हमारी संसद की विश्वसनीयता को और अधिक बढ़ा सकते हैं।

यह सत्र, सदन में सम्पादित विधायी तथा अन्य कार्यों की दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण रहा। कुच्ल मिलाकर 30 विधेयकों पर विचार कर उन्हें पारित किया ग्या अथवा लौटाया गया। मनी विधेयक के अलावा इस महती सभा ने व्यापक सामाजिक और आर्थिक महत्व के कई विधेयक पारित किए। निःसंदेह, इन विधेयकों के पारित होने से नीति निर्धारण तथा लोक शासन में सुधार लाने में अपेक्षित बल मिलेगा। सदन द्वारा पारित किए कुछ विधेयकों में संविधान (105 वां संशोधन विधेयक), 2006, दिल्ली विधि (विशेष उपबंध) विधेयक, 2006 तथा संसद (निरर्हता का निवारण) संशोधन विधेयक सम्मिलित है। माननीय प्रधान मंत्री ने विदेश नीति से संबंधित दो अत्यन्त महत्वपूर्ण मुद्दों पर वक्तव्य दिए जिनमें से एक ईरान के परमाणु नीति कार्यक्रम संबंधी मामले पर आई०ए०ई०ए० में भारत के मतदान से संबंधित था, जबकि दूसरा मुदा संयुक्त राज्य अमेरिका के साथ भारत के असैनिक परमाणु ऊर्जा सहयोग के बारे में था। इन वक्तव्यों पर, विशेषकर संयुक्त राज्य अमेरिका के साथ परमाणु ऊर्जा सहयोग संबंधी मामले में विस्तृत चर्चा के दौरान इन मुद्दों पर एक जीवन्त और ऊर्जापूर्ण बहस हुई।

माननीय सदस्यों , मुझे प्रसन्नता है कि सदन में मर्यादापूर्ण बहस करने की सर्वोत्तम परम्परा का निर्वाह करते हुए इस सत्र में हमने जनकल्याण से जुड़े कई महत्वपूर्ण मुद्दों पर सारगर्भित बहस की है। इस सत्र में अल्पकालिक चर्चा तथा ध्यान आकर्षित की सूचना के माध्यम से लोक महत्व के कई महत्वपूर्ण मुद्दों पर चर्चा की गई। यहां मैं विशेषकर , गेहूं के आयात और कृषि संकट, आवश्यक वस्तुओं की कीमतों में वृद्धि, खुदरा व्यापार में प्रत्यक्ष पूंजी निवेश, साम्प्रदायिक हिंसा, दिल्ली और मुम्बई हवाई अड्डों का आधुनिकरण और कन्या भ्रूणहत्या तथा इसके परिणामस्वरूप

स्त्री-पुरुष अनुपात में असंतुलन पर हुई सार्थक बहस का उल्लेख करना चाहता हूं। इसके अतिरिक्त, हमने पांच महत्वपूर्ण मंत्रालयों , अर्थात विदेश मंत्रालय , श्रम और रोजगार मंत्रालय, सूचना और प्रसारण मंत्रालय तथा पंचायती राज और ग्रामीण विकास मंत्रालय के कार्यकरण पर भी विस्तृत चर्चा की । 175 से भी अधिक विशेष उल्लेखों के माध्यम से लोक महत्व के मामले भी उठाए गए। मुझे विश्वास है कि इन सभी अहम मुद्दों पर माननीय सदस्यों द्वारा दिए गए महत्वपूर्ण सुझावों से सरकार लाभांवित होगी और वह शासन में सुधार लाने तथा जनकल्याण को प्रोत्साहित करने के लिए उपयुक्त कदम उठाएगी। जिस वचनबद्वता के साथ माननीय सदस्यों ने लोकहित के मामलों को उठाया है उससे सभा की कार्यवाही समृद्व हुई है लोक कल्याण के प्रति प्रासंगिकता उजागर हुई।

माननीय सदस्यगण, आप सभी से मुझे जो सहयोग मिला है उसके लिए मैं आपके प्रति आभार प्रकट करता हूं। आपके इसी सहयोग की वजह से सौहार्दपूर्ण वातावरण में और आपसी समझबूझ तथा सद् भावना के साथ सभा का कार्य-संचालन प्रभावी ढंग से हो पाया है। माननीय सदस्यों ने इतने अत्यधिक कार्य को निपटाने के लिए मध्याह्न भोजन का परित्याग करके सायंकाल देर तक बैठकर भी कार्य के प्रति जो प्रतिबद्वता दिखाई है, उसके लिए भी मैं उनके प्रति हार्दिक आभार प्रकट करता हूं। मुझे आप सबको यह स्मरण कराते हुए प्रसन्नता है कि इस बजट सत्र की अवधि अपेक्षाकृत कम होते हुए भी हमने कुल 179 घंटे कार्य किया, जबकि गत बजट सत्र में 173 घंटे कार्य हुआ था।

माननीय सदस्यगण, मैं इस अवसर पर सदन के नेता, विपक्ष के नेता, विभिन्न दलों के नेताओं और सभी सदस्यों द्वारा दिए गए सहयोग के लिए उन सबको धन्यवाद देता हूं। मैं उपसभापति, उपसभाध्यक्षों के पैनल के सदस्यों और सचिवालय के अधिकारियों और कर्मचारियों तथा प्रेस और मीडिया के प्रति भी उनके सहयोग के लिए आभार व्यक्त करता हूं।

माननीय सदस्यगण, मैं आगे आने वाले शुभ अवसरों के लिए आप सभी को अपनी शुभकामनाएं और बधाई देता हूं। मुझे आशा है कि आप आगामी फुटबाल विश्व कप 2006 प्रतियोगिता का अवलोकन करेंगे जो आप सभी के लिए सुखद और मनोरंजक सिद्व होगा। हम सभी की यह मंगलकामना है कि आगामी मानसून में पर्याप्त वर्षा होगी जिससे हमें मानसून सत्र की बैठकों में ताजगी और जीवन्तता प्राप्त होगी। मैं आप सभी को अपनी हार्दिक शुभकामनाएं देता हूं।

श्री जसवंत सिंह (राजस्थान): चेयरमैन साहब, इस सेशन में क्या किया, क्या नहीं किया उसका तो लेखा-जोखा आपने पूरा दे दिया है। उसको दोहराऊं तो सर्वथा अनावश्यक है। सदर साहब, औपचारिकता तो यह है कि ऐसे मौके पर अच्छी-अच्छी बात कहें और जल्दी कह करके विदा हों। लम्बा सत्र रहा। आपने भी फरमाया, फरवरी में शुरू हुआ, मई के अन्त तक पहुंचा है।

यह सत्र एक अनहोना सत्र था। हमारे कई सदस्य छोड़कर चले गए, बहुत उनमें से लौटे हैं। हमारे एक सहयोगी सिपाही इस सत्र कें दौरान सदैव के लिए चले गए । कई वर्षो से मित्र, सहयोगी, साथ में सिपाही, उनका नहीं होना खटकता है। बहुत बर्षो तक साथ में काम किया। चेयरमैन साहब , आना-जाना तो होता रहता है, इसलिए आने-जाने में, अन्य भी गये, इस बात का भी मुझे खेद ही है, संतोष तो हो नहीं सकता कि हमारे कुछ सहयोगी, कुछ माननीय सदस्य, कुछ येसे झमेले में फंस गये कि उसके कारण उनको सदन की सदस्यता से त्याग करना पड़ा। इससे भी मन में खटाई होती है, याद करके भी खटाई होती है, कहीं उनके जाने से हम सभी कुछ घट से गये हैं, बढ़े नहीं है।

यह सत्र अपने आप में चला, रूक गया- जैसे इंजन में चलते-चलते कभी खराबी आ जाती है , उसी तरह से यह भी अटक-अटक कर चला। फिर आपने हांक लगाई, तो चला और हांक लगाने के बावजूद कई बार इंजन स्टार्ट नहीं हुआ, उसका भी दुख है, कुछ टूटा , कुछ जुड़ा, कुछ रूका, कुछ चला, फिर लगता है कि कहीं कुछ टूट-सा गया है। मेरा बिल्कुल इरादा नहीं था कि मैं फिर कोई दोहा कहूँ, रहीम ऎसे ही कुछ अनायास ही याद आते हैं:-

"रहिमन प्रेम डोर जो तोडिए , टूटे जुड़ न पाए, जो जोड़ो तो गांठ पड़ जाए"। ...(व्यवधान)...

श्रीमती सुषमा स्वराज(उत्तरांचल): " रहिमन धागा प्रेम का, मत तोड़ो चटकाय, टूटे से फिर ना जुड़े, जुड़े गांठ पड़ जाए। "

श्री जसवन्त सिंह: हां-हां, मैंने उसको थोड़ा परिवर्तित कर के कहा है। रहीम की वही पुरानी बात कहें, तो फिर उसमें रोचकता कुछ कम हो जाती है, मैं कह रहा था हम स्वाद कुछ खटाई का लेकर जा रहे हैं। आपने जैसे कहा अच्छा होगा,यदि अच्छी बरसात हो जाये, तो यह खटाई शायद कुछ से धुल जाये। In the process, to treat the Opposition as an inconvenience, or, to treat Parliament as some kind of an obstacle would be a very sad development. I am sure, that is not what the Treasury wants. That is nobody's intention. But that is an aspect that comes to mind. It is a very challenging circumstance that we all face in all respects. But, Sir, now it is not the occasion to go into all that.

A long Session is drawing to an end. I find it interesting, also illustrative that this Session concludes with the completion of two years of this Alliance's attempts at governance. The fact that it has lasted two years is in itself an achievement. We wish you well, because in your being able to do what you have said, "we will do", is for the benefit of many. But the

impatience that we have witnessed, उससे भी कुछ खटाई होती है। अब यह जरूर था साहब, मैं सोच रहा था कि क्या कहूं, अच्छी-अच्छी बाते कर के विदा करूं या जैसा साधारणतया होता है दो मिनट बोले और चले, जो कहना था, वह कह दिया।

चेयरमैन साहब, हम आपके बहुत आभारी है कि आपने हमें दिशा दी, नेतृत्व दिया, जब जरूरत हुई तो हांक दिया, जब जरूरत हुई तो पुचकार दिया, हम आपके बिना चल नहीं पाते हैं। इसी तरह सेक्रेटरी जनरल साहब हैं। हमारे बहुत ही कुशल, योग्य, अनुभवी और ऐनर्जेटिक पार्लियामेंट्री अफेयर्स के मिनिस्टर ऑफ स्टेट है, हम सब से आवश्यकता होती है तो झगड़ते रहते हैं और कई बार आवश्यकता झगड़ने की नहीं है तो अन्य तरीकों से भी काम चलाते है। जो यहां खड़े हैं, कर्मचारी अन-कम्पलेनिंग खड़े रहते हैं, वे हम सब के करतब देखते रहते है, मन में क्या सोचते हैं- मैं कई बार सोचता हूं क्या सोचते होंगे, बिना कुछ कहे...

एक माननीय सदस्यः बहुत कुछ कह दिया।

श्री जसवन्त सिंहः उनके बिना सदन कैसे चल सकता है। हम उनके आभारी हैं, सब कर्मचारियों के आभारी है, सरकार के आभारी है और चेयरमैन साहब, आपके तो आभारी हैं ही, क्योंकि आपके बिना यह गाडी कैसे चलती। बहुत –बहुत धन्यवाद।

THE PRIME MINISTER (DR. MANMOHAN SINGH): Mr. Chairman, Sir, we come to the end of a very productive and purposeful Session of Parliament. Apart from the Uniion Budget, the House had the opportunity to discuss several important Bills and issues. It is commendable that out of 38 sittings, we were able to hold as many as 36. Sir, I thank you for your wisdom, knowledge and experience which has successfully guided the conduct of Business of this House. I also once again express my happiness at the re-election of Shri Rahman Khan as the Deputy Chairman of the Rajya Sabha. And, of course, I thank hon. Members for allowing the House to function more effectively in this Session.

Sir, the Finance Minister secured the House's approval for a com-mendable fiscal exercise. He has been able to steeply increase develop-ment expenditure while meeting our commitments in a large number of sectors, and, at the same time, adhered to good fiscal practice.

Sir, in the last year, our economy has been able to perform well, despite the pressure of rising international energy prices. We have been able to contain inflationary pressures, despite high oil prices. We are, however, acutely conscious of our fiscal responsibility. I am aware that

we must minimize the impact of rising oil prices on our people, while at the same time keeping in view the imperatives of sound fiscal management. The House has passed the Petroleum and Natural Gas Regulatory Board Bill, 2005.I do hope our policy in this vital energy sector will be based on rational principles, mindful of the realities that we all face.

Sir, our Government is committed to further strengthening the economy. We are committed to the welfare of our farmers, our working people and our youth. The House had a very fruitful discussion on very important issues relating to the well-being of our farmers as also the issues relating to price situation, and I do hope that these matters will continue to receive the adequate attention of the House in future as well.

Sir, I am proud that our Government has been, despite what Shri Jaswant Singhji said a few minutes ago, a very transparent Government and we have welcomed parliamentary debates on many issues agitating hon. Members. Many of my senior colleagues made detailed statements to the House on important policy issues. I myself spoke here on five different occasions to apprise the House of the facts pertaining to the India-US civilian nuclear cooperation agreement and the Indian vote at the International Atomic Energy Agency on Iran's nuclear programme.

Sir, our own experience with regard to transparency was not the same when we were in Opposition. Our Government has shared all the details pertaining to civil nuclear cooperation and to the nuclear separation plan to which we committed ourselves. The nation recognizes that we have been transparent and forthright. We have pursued the best interests of our country and will always do so. Sir, the House had the opportunity to pass as many as 23 Bills. We had the opportunity to discuss the welfare and the concerns of our farmers. We discussed the law and order situation in the country, especially the concerns arising out of communal violence.

I would like to take this opportunity to commend all our citizens across the country for the mature and responsible manner in which they reacted to the flare up of communal violence in Baroda.

Sir, the Central Government also took prompt action in helping the State Governments to bring the situation under control. But it is the response of the people at large that enabled us to contain the violence and not allow the spread of communal violence. This we also saw after

terrorist attacks in Varanasi. We should all take pride in the fact that our people are fighting terrorism and communalism by resisting the ideology of hatred.

Sir, as we come to the end of this Session, I must draw attention to the fact that the people of India have once again reposed their faith in the secular forces in this recent Assembly election. The recent Assembly elections show that the UPA continues to enjoy the confidence of our people. I would like to assure you, Sir, that we will continue to work in the interests of our people and our great Nation.

I thank you, Sir, and the hon. Deputy Chairman, for your patience and wisdom in conducting the proceedings of the House. I also thank the hon. Leader of the Opposition, Shri Jaswant Singh and his colleagues. I extend my thanks to the officers and staff of the Rajya Sabha Secretariat for their good work, particularly the distinguished Secretary-General. Thank you.

MR. CHAIRMAN: Now, we will have the National Song.

(The National Song, "Vande Mataram", was then played.)

श्री सभापति : सदन की कार्यवाही अनिश्चित काल के लिए स्थगित की जाती है।

The House then adjourned *sine die* at fifty eight minutes past four of the clock.